ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–07
दिनांक– शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.8 एवं 7.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 55.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.1 एवं दोपहर में 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(24–28 जनवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 24–28 जनवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि के दौरान उत्तर बिहार के सभी जिलों में आसमान साफ रहने की संभावना है। इस अवधि में मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है। दिन के समय धूप खिली रहेगी, जिससे तापमान में वृद्धि हो सकती है, जबकि रात्रि में मौसम अपेक्षाकृत शुष्क एवं ठंडा रह सकता है।
- अधिकतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में पछिया हवा चलने का अनुमान है। औसतन 4–7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। कल यानि 24 जनवरी को पुरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 45 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को ध्यान में रखते हुए कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि अगात प्रभेद की तैयार फसलों जैसे हल्दी एवं ओल की खुदाई करें।
- आलू की अगात प्रभेद की तैयार फसलों की खुदाई कर लें। बीज वाली फसल की ऊपरी लत्ती की कटाई कर लें तथा खुदाई के 15 दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें। पिछात आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगरानी करें। आलू की फसल में शुरुआती अवस्था से कंद बनने की अवस्था तक यह कीट फसल को नुकसान पहुँचाती है। उपचार हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2.5 से 3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- मक्का की फसल में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। सिंचाई के उपरांत 25–30 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- समय से बोई गई गेहूँ की 40–50 दिन की फसल में दूसरी सिंचाई करें। वहीं अगात बोई गई गेहूँ की फसल, जिसकी आयु 60–65 दिन हो चुकी है, उसमें तीसरी सिंचाई के लिए अभी प्रतीक्षा की जा सकती है।
- पिछात बोई गई गेहूँ की फसल में खरपतवार नियंत्रण को प्राथमिकता दें। यदि फसल में जिंक की कमी के लक्षण (पौधों का रंग हल्का पीला होना) दिखाई दें, तो 2.5 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 1.25 किलोग्राम बुझा हुआ चूना एवं 12.5 किलोग्राम यूरिया को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से 15 दिन के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।
- मटर की फसल में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों के अंदर प्रवेश कर दानों को खाते हैं और एक पिल्लू कई फलियों को नुकसान पहुँचाता है। इससे उपज में भारी कमी आती है। प्रबंधन हेतु प्रकाश फंदों का प्रयोग करें तथा प्रति हेक्टेयर 15–20 टी–आकार के पक्षी बैठका (बर्ड पर्चर) लगाएँ। अधिक प्रकोप होने पर क्विनालफॉस 25 ई.सी. या नोवाल्यूरॉन 10 ई.सी. दवा का 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- बसंतकालीन गन्ने की रोपाई हेतु मौसम अनुकूल हो रहा है। खेत की तैयारी करते समय 15–20 टन सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। इससे मिट्टी की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है।
- पिछात आलू की फसल में कटवर्म (कजरा पिल्लू) की निगरानी करें। यह कीट प्रारंभिक अवस्था से लेकर कंद बनने तक फसल को नुकसान पहुँचाता है। नियंत्रण हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. दवा का 2.5–3.0 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- विलंब से बोई गई दलहनी फसलों में 2 प्रतिशत यूरिया घोल का छिड़काव एक सप्ताह के अंतराल पर दो बार करें। अरहर की फसल में फली छेदक कीट की नियमित निगरानी करते रहें।
- गरमा मौसम की अगात सब्जियों जैसे भिंडी, कद्दू, ककड़ी, करेला, खीरा एवं नेनुआ की बुवाई हेतु खेत की तैयारी करें। अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण उपज के लिए 150–200 क्विंटल सड़ी–गली गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में अच्छी तरह मिलाएँ। यह खाद मिट्टी की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों को बढ़ाती है।
- कटुआ (कजरा) पिल्लू से बचाव हेतु खेत की जुताई के समय क्लोरपायरीफॉस 20 ई.सी. दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलोग्राम बालू में मिलाकर प्रयोग करें। यह कीट रात में निकलकर नवांकुर पौधों की पत्तियाँ एवं कोमल शाखाएँ काट देता है, जिससे पूरा पौधा नष्ट हो सकता है।

आज का अधिकतम तापमानः 25.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 6.0 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी